थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के नए हेड कोच, तीन साल के कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन

टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा।

51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेंटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी।

टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीज़न की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं।

फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेंटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

टोटेनहम में उन्हें अब एक उच्च गुणवत्ता वाली टीम मिलेगी, हालांकि पिछला प्रीमियर लीग सीज़न ब्रेंटफोर्ड ने टोटेनहम से ऊपर खत्म किया था। साथ ही, वे पहली बार यूईएफए चैंपियंस लीग में कोचिंग करते नज़र आएंगे।

इस लिहाज़ से टोटेनहम का यह फैसला थोड़ा जोखिमभरा भी माना जा रहा है, क्योंकि फ्रैंक ने अपने मैनेजेरियल करियर में अब तक कोई ट्रॉफी नहीं जीती है।

हालांकि, 2019 के बाद से एंटोनियो कॉन्टे और जोसे मोरिन्हो जैसे विश्वस्तरीय मैनेजर भी टोटेनहम में सफलता नहीं दिला सके हैं, ऐसे में क्लब ने इस बार ऐसे कोच को मौका दिया है जिसके पास प्रीमियर लीग का अच्छा खासा अनुभव है।

ब्रेंटफोर्ड ने 2021 से प्रीमियर लीग में अपनी जगह बनाई है और लगातार अपने प्रदर्शन से उम्मीदों से बेहतर नतीजे दिए हैं।

टोटेनहम ने यह भी पुष्टि की है कि फ्रैंक अपने साथ ब्रेंटफोर्ड से कुछ कोचिंग स्टाफ भी लाएंगे, जिसमें असिस्टेंट कोच जस्टिन कोक्रेन और मैनचेस्टर यूनाइटेड से आने वाले सेट-पीस स्पेशलिस्ट आंद्रेयास जॉर्जसन शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्टटगार्ट ओपन 2025: अलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, जस्टिन एंगेल ने रचा इतिहास

स्टटगार्ट। जर्मनी के शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को फ्रांस के कोरेंटिन मौटे को 6-2, 7-6(7) से हराकर स्टटगार्ट ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। यह टूर्नामेंट विंबलडन की तैयारी के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। फ्रेंच ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय करने वाले ज्वेरेव ग्रास कोर्ट पर अब तक संघर्ष करते आए हैं और उन्होंने अभी तक इस सतह पर कोई खिताब नहीं जीता है। ज्वेरेव बोले – जीत ही सबसे अहम 28 वर्षीय ज्वेरेव ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे सेट में मौटे ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, टाईब्रेकर में ज्वेरेव ने अनुभव का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। उन्होंने कहा, मैं 6-2, 6-2 से जीतना पसंद करता, लेकिन मैच में ऐसा नहीं चुन सकते। जीत सबसे अहम होती है और मैं खुश हूं कि कल फिर खेलने का मौका मिलेगा। ऑगर-अलियासिम की वापसी, एंगेल का धमाका कनाडा के चौथे वरीय फेलिक्स ऑगर-अलियासिम ने जियोवानी म्पेची पेरिकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह जीत उनके लिए 2022 के बाद पहली ग्रास कोर्ट जीत है। अब उनका मुकाबला जर्मनी के 17 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जस्टिन एंगेल से होगा। 17 वर्षीय एंगेल ने रचा इतिहास एंगेल ने अमेरिकी सातवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स मिकेलसन को 6-4, 6-4 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने दोनों सेटों में 2-1 की बढ़त बनाई और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया। वह स्टटगार्ट ओपन के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट बन गए हैं और 1985 में बोरिस बेकर के विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के बाद किसी भी एटीपी ग्रास कोर्ट इवेंट के सबसे युवा क्वार्टरफाइनलिस्ट भी बन गए हैं।

केविन डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी छोड़ने के बाद नापोली के साथ किया करार

मिलान। बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डि ब्रून ने इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी से विदाई लेने के बाद अब इटली के क्लब नापोली से करार कर लिया है। नापोली के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता ऑरेलियो डी लॉरेंटिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर डि ब्रून के साथ हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा, स्वागत है, केविन! सूत्रों के मुताबिक, 33 वर्षीय डि ब्रून ने नापोली के साथ दो साल का अनुबंध साइन किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प भी शामिल है। वह यहां अपने अंतरराष्ट्रीय साथी रोमेलू लुकाकू और पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड मिडफील्डर स्कॉट मैकटॉमिने के साथ खेलते नजर आएंगे। सिटी में सफल रहा दशक डि ब्रून ने मैनचेस्टर सिटी के साथ छह प्रीमियर लीग खिताब और 2023 में यूईएफए चैंपियंस लीग सहित कई ट्रॉफियां जीतीं। पेप ग्वार्डियोला के नेतृत्व में उनका प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पिछले दो सत्रों में वह दो हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण कई मुकाबलों से बाहर रहे। स्कुडेटो बचाने के मिशन पर नापोली नापोली ने उन्हें यूरोप के शीर्ष मिडफील्डरों में से एक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया है। टीम अगले सत्र में न केवल सेरी ए खिताब की रक्षा करेगी, बल्कि विस्तारित चैंपियंस लीग में भी भाग लेगी। इंटर को पछाड़ बना था चैंपियन एंटोनियो कॉन्टे के कोच रहते हुए नापोली ने इंटर मिलान को अंतिम दिन पछाड़कर सेरी ए खिताब अपने नाम किया था। यह पिछले तीन वर्षों में क्लब का दूसरा लीग खिताब है।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनाय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में गेंदबाज़ों का दबदबा, टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहतरीन विज्ञापन : पैट कमिंस

लंदन

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल भले ही तीन दिन में समाप्त होने की कगार पर हो, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट के लिए एक बेहतरीन विज्ञापन साबित हो रहा है। पहले दो दिनों में लॉर्ड्स की पिच पर कुल 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। दूसरे दिन कमिंस ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 28 रन देकर 6 विकेट झटके और टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 144 रन बनाकर दिन का खेल समाप्त किया और अब उसे 218 रनों की बढ़त मिल चुकी है। इस दौरान एलेक्स कैरी (43) और मिचेल स्टार्क (16* रन) के बीच आठवें विकेट के लिए 61 रनों की अहम साझेदारी हुई।

कमिंस ने दिन के खेल के बाद कहा, मैच अभी बराबरी पर है। ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है। आखिरी सेशन में हमारी साझेदारी शानदार रही और यह दिन समाप्त करने का बेहतरीन तरीका था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या गेंदबाज़ों का दबदबा इस खिताबी मुकाबले की महत्ता को कम करता है, तो उन्होंने जवाब दिया, दो दिन में मुकाबला लगभग 50-50 पर खड़ा है। कुछ बल्लेबाज़ क्रीज़ पर जमते दिखे, लेकिन अधिकतर के लिए रन बनाना मुश्किल रहा।

कमिंस ने माना कि मैच की तेज़ी से बढ़ती गति का कारण पिच की चुनौती और दोनों टीमों की अनुशासित गेंदबाज़ी है। दोनों टीमों ने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाज़ी की है। बल्लेबाज़ों को हाफ वॉली खेलने को भी नहीं मिलीं।

अपने 68वें टेस्ट में कमिंस ने यह भी कहा कि 300 विकेट लेना एक खास उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह बहुत ही खास है। इस सूची में ज्यादा नाम नहीं हैं। यह मेरी स्थायित्व और दीर्घायु का प्रतीक है।

कमिंस डब्ल्यूटीसी फाइनल में अपने प्रदर्शन से बेहद संतुष्ट दिखे और माना कि शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को मैच जीतने के लिए फिर से सटीक और अनुशासित गेंदबाज़ी करनी होगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025: जीत को लेकर आत्मविश्वास से भरा है दक्षिण अफ्रीका

लंदन। लॉर्ड्स में खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुश्किल स्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत की पूरी उम्मीद है। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम ने कहा कि टीम ड्रेसिंग रूम में पूरा आत्मविश्वास है कि वे जो भी लक्ष्य मिलेगा, उसे हासिल कर सकते हैं। बेडिंघम ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में सर्वाधिक 45 रन बनाए थे, लेकिन टीम महज 138 रन पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट बाकी हैं और टीम ने 218 रन की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुक्रवार को अपनी पारी को आगे बढ़ाएगी। लॉर्ड्स टेस्ट में गेंदबाज़ों का बोलबाला, लेकिन बेडिंघम बोले – हम जीत सकते हैं यह एक बेहतरीन मौका है – बेडिंघम बेडिंघम ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत मौका है। और हम सभी इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह किसी भी तरफ जा सकता है, लेकिन हमारी टीम में बहुत विश्वास है। हालांकि पहले दो दिन में 28 विकेट गिर चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि गेंदबाज़ों का वर्चस्व रहा है और दक्षिण अफ्रीका के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, जब आपके पास छह क्वालिटी सीम गेंदबाज़ हों और पिच चुनौतीपूर्ण हो, तो बल्लेबाजी कठिन हो जाती है। लेकिन मुझे लगता है कि विकेट अब थोड़ा धीमा हो गया है और गेंद की धार भी कम हो गई है। उम्मीद है कि चौथी पारी में गेंद सीधे आए और हम रन बना पाएं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की तारीफ़ करते हुए उन्होंने कहा, व्यक्तिगत तौर पर, मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ों ने कोई खराब गेंद फेंकी। यही कारण है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हैं। लेकिन हम उन्हें काउंटर करने की योजना बना रहे हैं। जब आप इस तरह की गेंदबाज़ी के खिलाफ बीच में अटक जाते हैं – न बचाव न आक्रमण – तब आउट होना तय है। लॉर्ड्स में चौथी पारी में सफल रनचेज़ का इतिहास गौरतलब है कि लॉर्ड्स में टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा सफल रनचेज़ 1984 में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 342 रन बनाकर किया था। 2022 में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 277 रन बनाए थे। 2004 में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 282 रन चेज़ किए। 1965 में इंग्लैंड ने 218 रन का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका को अब इतिहास रचने के लिए इन आंकड़ों को पार करना होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार

लंदन

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी।

आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें।

लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेगी। इसके बाद टीम का आखिरी

14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष और महिला टीमें

मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी।

भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं। एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमें जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगी।

क्लब टेनिस चैम्पियनशिप

लंदन में ब्रिटेन की इमा राडूकाने क्वींस क्लब टेनिस चैम्पियनशिप खेलती हुई।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की लगातार तीसरी जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए।

मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तेवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया।

इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 37वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के ज़रिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में मार्टे मैरी ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

सिफ्त कौर समरा ने किया एसएलआई का समर्थन, कहा-शूटिंग क्रांति के लिए यह सही समय

नई दिल्ली

पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफ्त कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफ्त को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैन्स और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी।

सिफ्त ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया प्लेटफॉर्म देगा—प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले ही कई पदक जीत

चुकीं सिफ्त—जिनमें एशियन गेम्स का गोल्ड और सिल्वर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का ब्रॉन्ज शामिल है, लीग के उस फॉर्मेट को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं जिसमें भारत के टॉप शूटर एक-दूसरे के खिलाफ टीम राइवलरी में उतरेंगे।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर व्यक्तिगत या नेशनल टीम के तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। लेकिन इस लीग में हम एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे-शायद इंटरनेशनल शूटरों के साथ भी। यह नया है, रोमांचक है और निश्चित ही मजेदार भी होगा। इसमें हर शॉट अहम होता है-यहां कोई सेफ्टी नेट नहीं है, न रैंकिंग न क्वालिफिकेशन अंक। यह शुद्ध खेल है और लोग इसे देखना पसंद करेंगे।

सिफ्त ने इस लीग की तुलना आईपीएल से करते हुए इसके संभावित प्रभाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, लोग मेरे माता-पिता से पूछते हैं कि शूटिंग में कैसे जाएं। अगर ऐसी लीग टीवी या सोशल मीडिया पर दिखेगी तो इससे बहुत जागरूकता फैलेगी। जिस तरह आईपीएल ने क्रिकेट की घरेलू प्रतिभाओं को मंच दिया, शूटिंग लीग भी हमारे लिए वही कर सकती है। सिफ्त इस लीग के ज़रिए जूनियर शूटरों और इंटरनेशनल खिलाड़ियों से जुड़ने को लेकर भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, कई जूनियर शूटर हैं जिनसे मैं कभी नहीं मिली क्योंकि हम अलग कैटेगरी में हैं। ये लीग उस फासले को कम करेगी।

गंभीर इंग्लैंड दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पारिवारिक कारणों से अचानक ही इंग्लैंड दौर बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आये हैं। गंभीर भारतीय टीम के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड में थे पर परिवार में मेडिकल इमरजैंसी के कारण उन्हें लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंभीर की मां की तबियत खराब है अभी ये पता नहीं चला है कि वह कब टीम से वापस जुड़ेंगे। गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम की तैयारियों पर नजर रखेंगे। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 20 जून से खेलना है। इंग्लैंड में भारतीय टीम युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में उतरेगी। इस बार टीम में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। शुभमन 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी इस सीरीज में उतरते ही बन जाएंगे। भारतीय टीम को एजबेस्टन, लंदन के लॉर्ड्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलने हैं।